वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :4 अंक : 153 | गुरुवार 26 सितम्बर 2024 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी की केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री से मुलाकात

जयपुर. कासं। राजस्थान की उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने बुधवार को नई दिल्ली में केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल से मुलाकात की। मुलाकात के उपरांत उप मुख्यमंत्री ने बताया कि केंद्रीय मंत्री के साथ राजस्थान में जल संरक्षण, जल प्रबंधन एवं पेयजल आपूर्ति संबंधित कई महत्वपूर्ण विषयों पर सार्थक चर्चा हुई।

मुख्यमंत्री की नई दिल्ली में केंद्रीय जल शक्ति मंत्री से मुलाकात

पार्वती-कालीसिंध-चंबल-ईआरसीपी लिंक परियोजना की त्रिपक्षीय समीक्षा बैठक आयोजित

जयपुर. शाबाश इंडिया

राजस्थान, मध्य प्रदेश और केंद्र सरकार के बीच आज श्रमशक्ति भवन स्थित जल शक्ति मंत्रालय के कार्यालय में पार्वती-कालीसिंध-चंबल-ईआरसीपी लिंक परियोजना के संबंध में त्रिपक्षीय समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल, राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सहित केंद्र और राज्य सरकारों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बताया कि पार्वती-कालीसिंध-चंबल-ईआरसीपी लिंक परियोजना पर आज संपन्न हुई समीक्षा बैठक में केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय के सहयोग से दोनों राज्यों के बीच लंबित विवादों का निवारण कर लिया गया है। शीघ्र ही इस परियोजना का मेमोरेंडम ऑफ एग्रीमेंट अनुबंध होने वाला है। दोनों राज्यों की जनता के हित में मध्य प्रदेश और राजस्थान की सरकारें मिलकर काम कर रही हैं। उन्होंने बताया कि इसी दिशा में दोनों राज्यों में पार्वती-कालीसिंध-चंबल-ईआरसीपी लिंक पर बड़े पैमाने पर काम किया जा रहा है और शीघ्र ही इसके परिणाम दिखेंगे। उन्होंने कहा कि बैठक में मध्य प्रदेश एवं राजस्थान से संबंधित विभिन्न विकास कार्यों, जल संसाधन प्रबंधन, सीमावर्ती क्षेत्रों में जल वितरण व्यवस्था तथा दोनों राज्यों के मध्य जल संबंधी मुद्दों पर भी गहन विचार-विमर्श किया गया।

कुसुम यादव ने हेरिटेज निगम के मेयर का पद संभाला

ऑफिस में गंगाजल-गोमूत्र छिड़ककर शुद्धि की, बोलीं- यहां से भ्रष्टाचार दूर चला जाएगा

जयपुर. कासं। जयपुर नगर निगम हेरिटेज में कार्यवाहक मेयर के तौर पर कुसुम यादव ने कार्यभार ग्रहण कर लिया है। हनुमान चालीसा और मंत्रोच्चार के साथ कुसुम यादव ने मेयर की कुर्सी संभाली। इस दौरान बीजेपी के विधायक, प्रभारी मंत्री, सांसद भी मौजूद रहे। वहीं, विधायक बालमुकुंद आचार्य ने मेयर कार्यालय में गंगाजल-गोमूत्र छिड़ककर उसकी शुद्धि की। महापौर की कुर्सी संभालते हुए कुसुम यादव ने कहा- हेरिटेज नगर निगम में जो छल कपट करके सरकार बनाई गई थी। उसका अंत हुआ है। भ्रष्टाचार करने के बावजूद मुनेश सीट से इस्तीफा नहीं देना चाहती थी। उनसे विधायक और पार्षद सभी परेशान थे। आज भारतीय जनता पार्टी के विधायक और पार्षद खुश हैं। सभी सहयोग कर रहे हैं कि जो बदलाव आया है, वो बरकरार रहे।

यादव ने कहा- अब नगर निगम में जीरो टॉलरेंस पर काम किया जाएगा। आगे त्योहारी सीजन आ रहा है। दीपावली पर हर व्यक्ति की प्राथमिकता सफाई रहती है। उनकी भी प्राथमिकता यही रहेगी कि जिस तरह पीएम नरेंद्र मोदी ने स्वच्छता का संदेश दिया है। उसे आगे बढ़ाते हुए जयपुर को स्वस्थ और स्वच्छ रखें। उन्होंने कहा- हेरिटेज नगर निगम में रामराज्य स्थापित होगा। यहां हनुमान चालीसा और पूजा पाठ से कार्य की शुरूआत हुई है। ये पवित्र मन से किया गया काम है। यहां से भ्रष्टाचार दूर चला जाएगा। जो भी अधिकारी-कर्मचारी भ्रष्टाचार को बढ़ावा देता है। उस पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस दौरान उन्होंने कहा- कांग्रेसी पार्षदों ने बीजेपी जॉइन कर ली है वो कांग्रेस के शासन से त्रस्त थे। महापौर से परेशान थे। ऐसे में हेरिटेज नगर निगम में भारतीय जनता पार्टी का शुद्ध बोर्ड है

फोटोः कुमकुम फोटो
साकेत, 9829054966

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप सन्मति ने भक्तामर स्तोत्र अनुष्ठान का भव्य आयोजन किया

राजस्थान रीजन जयपुर के तत्वावधान में आदिनाथ मित्र मंडल के सहयोग से संघी जी के मंदिर सांगानेर में हुआ आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया। दिगंबर जैन सोशल ग्रुप सन्मति द्वारा आदिनाथ मित्र मंडल के सहयोग से दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन राजस्थान रीजन जयपुर के तत्वावधान में भक्तामर स्तोत्र अनुष्ठान का 48 दीपकों से भव्य रिद्धि सिद्धि मंत्रों के साथ श्री दिगंबर जैन मंदिर संघी जी सांगानेर में हुआ आयोजन। रीजन अध्यक्ष राजेश बड़जात्या के अनुसार प्रसिद्ध गायक अशोक गंगवाल व समता गोदिका द्वारा भक्ति संगीत के साथ भव्यता से आदिनाथ भगवान की आराधना की गई। आदिनाथ मित्र मंडल के अध्यक्ष सुनील जैन तथा मंत्री राजेंद्र बाकलीवाल ने बताया कि हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी भाद्रपद माह में भक्तामर पाठ किए गए तथा उसके समापन पर 48 दीपकों से भव्य भक्तामर स्तोत्र अनुष्ठान का आयोजन किया गया। सन्मति ग्रुप के संस्थापक अध्यक्ष राकेश - समता गोदिका व सचिव राजेश - रानी पाटनी ने बताया कि कार्यक्रम का प्रथम दीप प्रज्ज्वलित श्रीमती सरोज जी जैन पांड्या धर्मपत्नी स्वर्गीय श्री पदम चंद पांड्या चांद राना वालो ने किया। इस अवसर पर आदिनाथ मित्र मंडल के अध्यक्ष सुनील जैन को माल्यार्पण कर सभी ने बधाई दी।

@...पेज 3 पर

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप सन्मति ने भक्तामर स्तोत्र अनुष्ठान का भव्य आयोजन किया

राजस्थान रीजन जयपुर के तत्वावधान में आदिनाथ मित्र मंडल के सहयोग से संघी जी के मंदिर सांगानेर में हुआ आयोजन

फोटोः कुमकुम फोटो
साकेत, 9829054966

वेद ज्ञान

संसार का निर्माण करने में मां का योगदान

जन्म देने वाली सत्ता व शक्ति का नाम माता है। सारा संसार वा मनुष्य अपनी अपनी माताओं से उत्पन्न होते वा जन्म लेते हैं। यदि मां न होती तो संसार में कहीं मनुष्य व अन्य प्राणी जो माताओं से उत्पन्न हुए हैं, दिखाई न देते। यह सृष्टि यदि चल रही है तो उसमें जन्मदात्री मां की भूमिका सर्वापरि अनुभव होती है। मनुष्य की अनेक मातायें होती है। ईश्वर भी हमारी माता है। वेदों में ईश्वर को माता कहा गया है। ईश्वर संसार में सभी माताओं की भी माता है। उसी ने इस सृष्टि वा भूमि माता को बनाया है। हमारी यह भूमि माता सूर्य के चक्र लगाती है। इस कारण भूमि को सूर्य की पुत्री कह सकते हैं। वैज्ञानिक लोग भूमि को सूर्य से पृथक हुआ एक हिस्सा ही मानते हैं। इससे भी भूमि सूर्य से उत्पन्न होने से सूर्य की पुत्री कही जा सकती हैं। भूमि माता और हमारी जन्मदात्री माता के समान ही गौ माता भी है जो अपने अमृततुल्य दुग्ध व बैल आदि से हमारा पोषण करती है।

वैदिक धर्म व संस्कृति में गोपालन को आवश्यक बताया गया है। जो गोपालन करेगा वह गौमाता के शुद्ध दुग्ध को प्राप्त कर सकता है और उस दुग्ध के गुणों से उसका शरीर निरोग व बलिष्ठ बनकर जीवन में सफलतायें व साध्य को प्राप्त कर सकता है। गौदुग्ध से मनुष्य की बुद्धि को भी शक्ति मिलती है। प्राचीन काल से हमारे गुरुकुलों में गोपालन को अनिवार्य रूप से करने और गौमाता के दुग्ध का ही सेवन करने की परम्परा है। योगेश्वर कृष्ण जी का गोपालक होना प्रसिद्ध ही है। उनका तो एक नाम भी गोपाल कहा जाता है। गौदुग्ध वा गोपालन के ही कारण ही हमारे देश में वेद ऋषि उत्पन्न होते थे और हमारा देश विश्व में धर्म व संस्कृति का ज्ञान देने वाला प्रथम व अग्रणीय देश था। वेदों की उत्पत्ति का गौरव भी ईश्वर ने भारत व इसके प्राचीन नाम आर्यावर्त्त को ही प्रदान किया है। हम मनुष्यों की बात कर रहे हैं। सभी मनुष्यों की एक माता होती है जिसने हमें जन्म दिया है। हम जीवात्मा के रूप में माता के गर्भ में आते हैं और फिर वहां दस मास तक रहकर एक शिशु के रूप में विकसित होकर जन्म लेते हैं। इस दस मास में माता को कितने कष्ट उठाने पड़ते हैं इसका अनुमान लगाना भी कठिन है। जन्म के बाद भी सन्तान के पालन में माता को अनेक प्रकार के कष्ट उठाने पड़ते हैं।

संपादकीय

समाज के लिए गंभीर चिंता का विषय...

तकनीकी संसाधनों के विकास के साथ-साथ उनके आपराधिक उपयोग की गलियां भी खुलती गई हैं। इन पर अंकुश लगाने की ज्यादातर कोशिशें विफल ही देखी जा रही हैं। कुछ मसले अब इतने संवेदनशील हैं कि समाज के लिए गंभीर चिंता का विषय बन चुके हैं। बाल यौन शोषण और दुर्व्यवहार उनमें से एक है। इंटरनेट के विस्तार और हर हाथ में डिजिटल उपकरणों की पहुंच होने के बाद अब बड़े पैमाने पर ऐसी अश्लील सामग्री परोसी जाने लगी है, जो बच्चों को लेकर बनाई जाती है। इस पर रोक लगाने के लिए मद्रास उच्च न्यायालय में गुहार लगाई गई थी। अदालत ने उस याचिका पर कहा था कि बाल पोर्नोग्राफी देखने और उसे डाउनलोड करके रखने को पाक्सो कानून के अंतर्गत अपराध नहीं माना जा सकता। उसी आदेश को सर्वोच्च न्यायालय में चुनौती दी गई। अब सर्वोच्च न्यायालय ने न केवल मद्रास उच्च न्यायालय के फैसले को पलटते हुए ऐसी सामग्री को डाउनलोड करके रखना और दूसरों को भेजना पाक्सो कानून के अंतर्गत अपराध माना है, बल्कि इस विषय में कई विस्तृत निर्देश दिए हैं। देश की सभी अदालतों से कहा है कि अब वे बाल पोर्नोग्राफी के बजाय बाल यौनशोषण और दुर्व्यवहार सामग्री पद का उपयोग करें। साथ ही केंद्र सरकार से कहा है कि वह पाक्सो कानून में संशोधन कर इसे अधिक स्पष्ट और व्यापक बनाए। जब तक कानून नहीं बनता, तब तक इस पर अध्यादेश जारी करे। बाल यौनशोषण और दुर्व्यवहार पर अंकुश लगाने के लिए हालांकि कठोर कानून हैं, पर उनमें कुछ जगहों पर स्पष्टता न होने के कारण अश्लील सामग्री तैयार करने के लिए बच्चों का भी उपयोग किया जाता है। सर्वोच्च न्यायालय ने इसी कमजोरी को दुरुस्त करने का निर्देश दिया है। दरअसल, अश्लील सामग्री का कारोबार दुनिया भर में फैला हुआ है कुछ देशों ने तो इसे कानूनी मान्यता भी दे रखी है, जैसे जर्मनी, फ्रांस आदि। मगर पिछले कुछ वर्षों में जिस तरह डिजिटल माध्यमों पर अश्लील सामग्री परोसने की प्रवृत्ति और उससे समाजों में हिंसा तथा यौनशोषण की घटनाएं लगातार बढ़ी हैं, उससे दुनिया भर में ऐसी सामग्री पर अंकुश लगाने की मांग उठने लगी है। हमारे यहां ऐसी सामग्री के निर्माण को दंडनीय अपराध की श्रेणी में रखा गया है। मगर इंटरनेट की दुनिया इतनी जटिल बन चुकी है कि ऐसी सामग्री की पहुंच रोकना कठिन बना हुआ है। इनमें बच्चों का उपयोग रोकना बड़ी चुनौती है। सर्वोच्च न्यायालय ने केंद्र सरकार से कहा है कि यौनशिक्षा को व्यापक रूप से लागू किया जाना चाहिए। ।इससे ऐसे अपराधों पर काबू पाने में काफी मदद मिल सकती है। दरअसल, बहुत सारे लोग यौनशिक्षा के नाम पर ऐसा सामग्री को उचित ठहराते देखे जाते हैं मगर अश्लील सामग्री निर्माण के लिए जिस तरह बच्चों की तस्करी बढ़ी है। और उनके साथ दुर्व्यवहार और उत्पीड़न की घटनाएं बढ़ी हैं, उससे उनके मानवाधिकारों को लेकर गंभीर चिंता पैदा हो गई है।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

पोर्नोग्राफी

तकनीकी संसाधनों के विकास के साथ-साथ उनके आपराधिक उपयोग की गलियां भी खुलती गई हैं। इन पर अंकुश लगाने की ज्यादातर कोशिशें विफल ही देखी जा रही हैं। कुछ मसले अब इतने संवेदनशील हैं कि समाज के लिए गंभीर चिंता का विषय बन चुके हैं। बाल यौन शोषण और दुर्व्यवहार उनमें से एक है। इंटरनेट के विस्तार और हर हाथ में डिजिटल उपकरणों की पहुंच होने के बाद अब बड़े पैमाने पर ऐसी अश्लील सामग्री परोसी जाने लगी है, जो बच्चों को लेकर बनाई जाती है। इस पर रोक लगाने के लिए मद्रास उच्च न्यायालय में गुहार लगाई गई थी। अदालत ने उस याचिका पर कहा था कि ''बाल पोर्नोग्राफी'' देखने और उसे डाउनलोड करके रखने को पाक्सो कानून के अंतर्गत अपराध नहीं माना जा सकता। उसी आदेश को सर्वोच्च न्यायालय में चुनौती दी गई। अब सर्वोच्च न्यायालय ने न केवल मद्रास उच्च न्यायालय के फैसले को पलटते हुए ऐसी सामग्री को डाउनलोड करके रखना और दूसरों को भेजना पाक्सो कानून के अंतर्गत अपराध माना है, बल्कि इस विषय में कई विस्तृत निर्देश दिए हैं। देश की सभी अदालतों से कहा है कि अब वे 'बाल पोर्नोग्राफी' के बजाय 'बाल यौनशोषण और दुर्व्यवहार सामग्री' पद का उपयोग करें। साथ ही केंद्र सरकार से कहा है कि वह पाक्सो कानून में संशोधन कर इसे अधिक स्पष्ट और व्यापक बनाए। जब तक कानून नहीं बनता, तब तक इस पर अध्यादेश जारी करे। बाल यौनशोषण और दुर्व्यवहार पर अंकुश लगाने के लिए हालांकि कठोर कानून हैं, पर उनमें कुछ जगहों पर स्पष्टता न होने के कारण अश्लील सामग्री तैयार करने के लिए बच्चों का भी उपयोग किया जाता है। सर्वोच्च न्यायालय ने इसी कमजोरी को दुरुस्त करने का निर्देश दिया है। दरअसल, अश्लील सामग्री का कारोबार दुनिया भर में फैला हुआ है। कुछ देशों ने तो इसे कानूनी मान्यता भी दे रखी है, जैसे जर्मनी, फ्रांस आदि। मगर पिछले कुछ वर्षों में जिस तरह डिजिटल माध्यमों पर अश्लील सामग्री परोसने की प्रवृत्ति और उससे समाजों में हिंसा तथा यौनशोषण की घटनाएं लगातार बढ़ी हैं, उससे दुनिया भर में ऐसी सामग्री पर अंकुश लगाने की मांग उठने लगी है। हमारे यहां ऐसी सामग्री के निर्माण को दंडनीय अपराध की श्रेणी में रखा गया है। मगर इंटरनेट की दुनिया इतनी जटिल बन चुकी है कि ऐसी सामग्री की पहुंच रोकना कठिन बना हुआ है। इनमें बच्चों का उपयोग रोकना बड़ी चुनौती है। सर्वोच्च न्यायालय ने केंद्र सरकार से कहा है कि यौनशिक्षा को व्यापक रूप से लागू किया जाना चाहिए। इससे ऐसे अपराधों पर काबू पाने में काफी मदद मिल सकती है। दरअसल, बहुत सारे लोग यौनशिक्षा के नाम पर ऐसा सामग्री को उचित ठहराते देखे जाते हैं। मगर अश्लील सामग्री निर्माण के लिए जिस तरह बच्चों की तस्करी बढ़ी है और उनके साथ दुर्व्यवहार और उत्पीड़न की घटनाएं बढ़ी हैं, उससे उनके मानवाधिकारों को लेकर गंभीर चिंता पैदा हो गई है। निस्संदेह इस पर अंकुश लगाने के लिए कठोर कानून की जरूरत है। मगर अश्लील सामग्री के निर्माण और उनकी पहुंच पर रोक लगाना फिर भी बड़ी चुनौती बनी रह सकती है। जिन देशों में ऐसी सामग्री बनाने पर रोक नहीं है, अश्लील सामग्री बनाने वाले उन जगहों का उपयोग करते हैं। बाल अधिकारों को लेकर व्यापक पहल की जरूरत है, जिसमें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कुछ समझौतों की भी जरूरत हो सकती है। सर्वोच्च न्यायालय ने इस विषय पर गंभीरता से विचार करने का एक अवसर दिया है।

॥ देवाधिदेव श्री 1008 आदिनाथाय नमः॥

अर्हं योग प्रणेता

मुनिश्री 108 प्रणम्य सागर जी महाराज ससंघ

के पावन सान्निध्य में जयपुर शहर में पहली बार

श्री दिगम्बर जैन नसियाँ भट्टारक जी नसियाँ प्रांगण में

दोनो दिन प्रात: 6.15 बजे से 9.45 बजे तक

दिनांक 3 अक्टूबर, 2024

भगवान मुनिसुव्रतनाथ विधान

दिनांक 4 अक्टूबर, 2024

वर्धमान स्त्रोत विधान

प्रतिदिन - प्रात: 8.15 बजे से गुरुदेव का मंगल प्रवचन

विशेष... विधान में बैठने वाले महानुभावों शुद्ध भोजन की व्यवस्था रहेगी।

विधान में बैठने वाले महानुभावों की संख्या सीमित है।
अपना रजिस्ट्रेशन आज ही - अभी ही करवायें

संयोजक : रमेश बोहरा 98280 26629 • मनोज झांझरी 98290 63426
पदम बिलाला 93140-24888 • मनीष बैद 94140-16808

श्री मुनिसंघ सेवा समिति जयपुर

(बापू नगर जैन समाज द्वारा संचालित)

सुधान्शु कासलीवाल
परम संरक्षक

उमरावमल संधी
परम संरक्षक

ईजी.प्रदीप कुमार जैन
मुख्य समन्वयक

अध्यक्ष	कार्याध्यक्ष	महामंत्री	कोषाध्यक्ष
• राजीव जैन गाजियाबाद	• सुरेन्द्र कुमार मोदी	• नवीन संघी	• संजय पाटनी
94140-54571	86969 79825	93149-66771	93527 22022

एवं समस्त पदाधिकारी एवं कार्यकारिणी सदस्य श्री मुनिसंघ सेवा समिति, जयपुर

: मुख्य संयोजक :
अतुल सौगानी 98292 89000
आलोक जैन 94140 70741
बापू नगर

अर्हं चातुर्मास समिति, जयपुर-2024
प्रबन्धकारिणी समिति
श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर
मीरा मार्ग, मानसरोवर, जयपुर
सुशील पहाड़िया (अध्यक्ष) 99285-57000
राजेन्द्र सेठी (मंत्री) 93149-16778
समस्त पदाधिकारी एवं कार्यकारिणी सदस्यगण
एवं
आदिनाथ महिला मण्डल, मीरा मार्ग, मानसरोवर, जयपुर

प्री वैडिंग के बहाने नष्ट हो रही है संस्कृति

शादी होने से पहले ही प्री वेडिंग के नाम पर कई रातें साथ गुजारने लगे हैं युवक-युवतियां

पिछले कुछ सालों से देश में भारतीय संस्कृति से होने वाले विवाह समारोह में प्री वैडिंग के नाम पर एक नया प्रचलन सामने आया है। होने वाले दूल्हा-दुल्हन अपने परिवारजनों की सहमति से शादी से पूर्व फोटोग्राफर के एक समूह के साथ देश के अलग-अलग सैर सपाटों की जगह, बड़ी होटलों, हेरिटेज बिल्डिंगों, समुन्द्री बीच व अन्य ऐसी जगहों पर जहां सामान्यतः पति पत्नी शादी के बाद हनीमून मनाने जाते हैं, जाकर अलग-अलग और कम से कम परिधानों में एक दूसरे की बाहों में समाते हुए वीडियो शूट करवाते हैं। फिर ऐसी वीडियो/फोटोग्राफी को शादी के दिन एक बड़ी सी स्क्रीन लगा कर जहां लड़की और लड़के के परिवार से जुड़े तमाम रिश्तेदार मौजूद होते हैं, की उपस्थिति में सार्वजनिक रूप से उस जोड़े को वो सब करते हुए दिखाया जाता है जिनकी अभी शादी भी नहीं हुई है। जिनको जीवन साथी बनने के साक्षी बनाने और उन्हें आशीर्वाद देने के लिये ही सगे संबंधियों और सामाजिक लोगों को वहां बुलाया जाता है लेकिन यह क्या गेट के अंदर घुसते ही जो देखने को मिलता है वह शर्मसार करने वाला होता है। जिस भावी जोडे को हम वहां आशीर्वाद देने पहुंचते हैं, वो वहां पहले से ही एक दूसरे की बाहों में झूल रहे होते हैं और सबसे बड़ी बात यह है कि यह सब दोनों परिवारों की सहमति से होता है। लड़का-लड़की कई दिन तक बाहर रह कर साथ में कई रातें बिता चुके होते हैं। यह सब देख कर एक विचार मन में आता है। जब सब कुछ हो चुका है तो आखिर हमें यहां क्यों बुलाया गया है। यह शुरूआत अभी उन घरानों से हो रही है, जो शादियों को अपने पैसों के बल पर इस प्रकार की गलत प्रवृत्तियों को बढ़ावा देकर समाज के छोटे तबके के परिवारों को संकट में डाल रहे हैं। जरूर सोचे एवं विचार करे की आखिर हम समाज, परिवार और हमारी संस्कृति को कहां ले जा रहे हैं और आने वाली पीढ़ियों के सामने क्या उदाहरण प्रस्तुत करना चाहते हैं।

जागृति में सहयोगी
जयपुर जैन सभा समिति
(सच कहने का शिष्टतापूर्ण साहस)

71 वें अमृत वर्षम पर दिया स्वर्ग सा अभिनव परिसर

इंजिनियर अरुण कुमार जैन

कोटि नमन, वंदन, अभिनन्दन,
परम कृपालु माता,,
दिया स्वर्ग सा अभिनव परिसर,
स्वास्थ्य, उल्लास प्रदाता.
आठ वर्ष पहिले तक इस पर,
मिट्टी, पत्थर, खेती,,
सदा रात दिन श्रम करके भी,
मिले पेटभर रोटी.
अमृता हॉस्पिटल शिलान्यास से,
बदली अम्मा काया,,
हजारों से कई करोड़ के, धन को हमने पाया.
खुले सभी को द्वार जो इसके,
हर मन हर्ष है आया,,
सब रोगों की सहज चिकित्सा,
मिली हमें हे माता.
यू. पी., एम. पी., राजस्थान से,
एन. सी. आर. में आते,,
दिव्य स्वास्थ्य का वर पाकर माँ,
सब जन अब मुस्काते.
सभी तरह की शिक्षा भी है, श्रेष्ठ भोजन, आवास,,
तन, मन को स्फूर्ति, शांति,
सतत प्रगति उल्लास.
प्रभु, गुरु का वंदन वंदन सब करते,
मन को स्वस्थ बनाते,,
पाठशाला में निर्धन बच्चे,
जीवन अमृत पाते.
कई हजार रोजगार मिले हैं,
विगत एक दशक से,,
कोटि जनों को तृप्ति मिली है, अम्मा के इस वर से.
एन. सी. आर.व उत्तर भारत,शीश झुकाते अम्मा,,
अमृता हॉस्पिटल का वर देकर,बनी लक्ष्मी, जगदम्बा.
इकहत्तर वें अमृत वर्षम पर,
वंदन माँ स्वीकारें,,
आरोग्य, ज्ञान, नैतिकता, शांति,
प्रगति सदा हम पावें.

अमृता हॉस्पिटल फरीदाबाद, हरियाणा
मो. 7999469175

आचार्य विमल सागर जी महाराज अवतरण दिवस मनाया

कानकी, झारखंड. शाबाश इंडिया। आचार्य विमल सागर जी महाराज अवतरण दिवस श्रमण मुनि विशल्यसागर जी श्री 1008 पारसनाथ दिगम्बर जैन मंदिर कानकी में विराजमान पू. झारखण्ड राजकीय अतिथि श्रमण मुनि श्री के मंगल सान्निध्य एवं उन्हीं के आशीर्वाद से प.पू. निमित्त ज्ञानी आचार्य भगवान विमलसागर जी महामुनि राज का 109 अवतरण दिवस बड़े ही हर्ष उल्लास के साथ मनाया गया। पू.गुरुदेव विशल्यसागर जी महाराज ने अपनी विनयान्जलि समर्पित करते हुए कहा कि आज का दिन बड़ा ही पावन है जो सबके हृदय में बसे है जिन्होंने लाखो प्राणियों को मिथ्यात्व का वमन करके सम्यक्त्व के पथ पर लगाया है । उन्मार्ग से हटाकर सन्मार्ग पर लगाने वाले सन्मार्ग दिवाकर निमित्त के ज्ञाता निमित्त ज्ञानी । जिनके रोम - रोम में वात्सल्य भरा हुआ था । प्रदेशों में करुणा बहती थी ऐसे अपार करुणा के धनी करुणामूर्ति , वात्सल्य के भण्डार वात्सल्य रत्नाकर जन - जन में जिन्होंने करुणा बहाई सभी पर इनका हाथ हमेशा बरद हस्त रहता था जिनके आशीष के छायों में लोग फलते थे ,फुलते थे ऐसा आशीष तरों - तारों की भावना , उठों -उठाओ की भावना , जगों - जगाओं की भावना जहां पर लोग पहुंचते थे अपने कष्टों के लेकर के और कष्ट निवारण का उपाय तत्काल लेकर के आते थे दुःखी व्यक्ति के दुःखो को दूर करने वाले, कष्टों को हरणे वाले सबके जीवन में उद्यान लगाने वाले और फूलों को महकाने वाले वो आचार्य भगवन निमित्त ज्ञानी , सन्मार्ग दिवाकर , वात्सल्य रत्नाकर गुरु नाम गुरु आचार्य विमल सागर जी महाराज ।ऐसे आचार्य भगवन विमल सागर जी ! कौन नहीं जानता जिनके लिए । जिनके लिए वचन सिद्धि थी जिन्होंने जो कह दिया वो सत्य है धन्य है जिनकी महान साधना पूरा देश जिनके प्रति कृतज्ञ है, विश्व कृतज्ञ है जिनके चरणों की रज मिल जाए अपने से लगाकर के जीवन को धन्य मानने वाले ऐसे महा गुरु गुरु के गुरु कौन? आचार्य विमल सागर जी महाराज उत्तर प्रदेश की वसुन्धरा पर एटा जिला के पास कुछ कोश दूरी पर वह जननी वह माँ कोसमां जहां पर जन्म लिया उस महान विशिष्ट प्रकाश पुंज ने वो दिन अश्मिन वदी सप्तमी का था इसलिए वो तिथि भी जिनके जन्म से धन्य हो गई अपने आप में मुर्हूत हो गया जब महान आत्माओं का जन्म जिस तिथि में होता है वो तिथि अपने आप में काल मंगल हो जाया करती है मंगली भूत हो जाया करती है ऐसे आचार्य विमल सागर जी महाराज को कौन नहीं जानता । कितने लोगों का उद्धार किया उन्होंने उनके दरवाजे पर जो भी गया , उनके दर पर जो भी गया और जिनने भी आशीष पा लिया वो फलता - फूलता आज भी फल फूल रहा है इतिहास उठाकर के देखो तुम जितने भी बड़े - बड़े श्रेष्ठियों को देखो इतिहास उठाकर के जितने भी श्रेष्ठी है वो आचार्य भगवान का वरदान है । जो उन्मार्ग में लो थे वो आज सन्मार्ग में लगे हैं ऐसे गुरु के गुरु ।जिन्होंने जन्म दिया उत्कृष्ट समाधि सम्राट इस युग के महान आचार्य भगवन गुरुदेव महान संघ के अधिपति नायक गुरु देव विरागसागर जी मुनिराज उनके गुरुदेव विमल सागर जी जिन्होने जन्म दिया है इतने बड़े संघ के नायक किन का आशीर्वाद था आचार्य भगवन विमलसागर जी महाराज का । आचार्य विमलसागर जी सिद्ध हस्त वेद थे वो अगर उन्होंने राख भी पुड़ियां में बांध कर दे दी और उसका सेवन का लिया तो भयंकर से भयंकर बीमारी तत्काल दूर हो जाती थी उनकी गाथा जितनी गायी जाए कम है अंत में पू. गुरुदेव त्रय भक्ति पूर्वक नमस्कार करते हुए कहा आप ऐसी ही धर्म की प्रभावना करते हुए आगे चलकर तीर्थंकर बनें। -**प्रेषक विशाल पाटनी,भागलपुर**

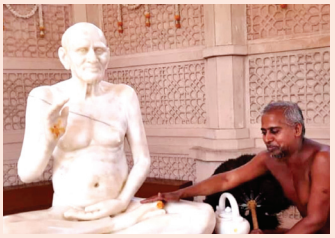

जहां सर झुकता है, वहां दूसरे विकल्प नहीं हो: युवाचार्य महेंद्र ऋषि जी महाराज

एएमकेएम में पुच्छिस्सुणं संपुट की पंद्रहवीं गाथा का हुआ जाप

सुनिल चपलोत. शाबाश इंडिया

चैन्नेई। एएमकेएम जैन मेमोरियल सेंटर में श्रमण संघीय युवाचार्य महेंद्र ऋषिजी के सान्निध्य में बुधवार को पुच्छिस्सुणं संपुट की पंद्रहवीं गाथा का जाप हुआ। उन्होंने हिंदी पर्याय करते हुए कहा कि क्यों हमने, हमारे पूर्वजों ने, पूवार्चार्यों ने प्रभु महावीर के बतलाए मार्ग पर चलना स्वीकार किया। क्या रिश्ता बनता है प्रभु महावीर के साथ हमारा। हमने क्यों प्रभु के चरण की शरण ली। क्यों उनके प्रति इष्ट का भाव बताया। आज व्यक्ति धर्म की शरण में जाता है तो लालचवश, स्वार्थवश धर्म में जाता है। यह एक विडंबना है। क्या हमारे पूर्वजों को लालच, प्रलोभन दिया गया था। उन्होंने कहा आज धर्मांतरण करने के लिए प्रलोभन देना आम बात है। कहीं न कहीं लालच में धर्म की शरण में जाने से आनंद हो तो कोई बात नहीं लेकिन लालचवश धर्म को बदल देना उचित नहीं है। उन्होंने कहा हमने जिनकी शरण ली, वे महापुरुष थे। क्यों हम उन महापुरूषों को छोड़कर मन को परिवर्तित करते हैं। सब गुरु पूजनीय है, यह धारणा दिलाई जाती है। प्रभु महावीर के वचनों को सुनकर, मानकर, उनके सदाचारों को देखकर हम उनकी शरण में आए। गुण देखकर किसी को जीवन में स्वीकार करते हो, वह अच्छी बात है लेकिन तुलनात्मक गणित को तूल मत दो। उन्होंने कहा भगवान को पर्वत की उपमा दी गई क्योंकि पर्वत अडिग है। हमारे भारतवर्ष में दो संस्कृतियां प्राचीन काल से चल रही है। एक वैदिक संस्कृति और एक श्रमण परम्परा। वैदिक संस्कृति में जो भी पवित्र स्थान माने जाते हैं, वे अधिकतर नदी के किनारे है। नदी नीचे बहते पानी का द्योतक है। जहां समर्पण को ही श्रेष्ठ माना गया है। भगवद्गीता में कृष्ण कहते हैं एक मेरी शरण में आप आ जाओ, जीवन आनंदमय बन जाएगा। उन्होंने कहा जहां सर झुकता है वहां दूसरा विकल्प नहीं होना चाहिए, वही समर्पण है। वैदिक धर्म में व्यक्ति के समर्पण का अति महत्व है। समर्पण की कई कथाएं इतिहास में मिल जाएगी। तीर्थ ऊंचे-ऊंचे पहाड़ पर बने हुए हैं, ऊंचे पहाड़ संकल्प का द्योतक है। दृढ संकल्प यह होना चाहिए कि साधना से समझौता नहीं करे। हमें धर्मरुचि अणगार को महत्व देना है। पर्वत दृढ़ता का द्योतक है। प्रभु के प्रेम की परिधि में समस्त संसार है। विशेष जाति, वर्ग के लिए कोई बात नहीं होती। संपूर्ण जीव राशि के लिए प्रेम की भावना थी। कोई अपना- पराया की भावना नहीं। परमात्मा की सबसे बड़ी शक्ति वही है। ऐसे गुणों को देखकर ही हम परमात्मा की स्तुति करते हैं। जैसे रुचक पर्वत श्रेष्ठ है, वैसे ही प्रभु श्रेष्ठ हैं। आप परमात्मा की भक्ति का आनंद ले रहे हैं। भक्ति करके भीतर में आनंद की शक्ति महसूस करें। इस मौके पर वरिष्ठ श्राविका सज्जनबाई झामड़ ने 41 उपवास की पचकावनी ली। महासंघ की ओर से तपस्यार्थी बहन बहूमान किया गया। इस दौरान रायचूर, इंदौर, पूना, लोनावला, शिरगांव, सिकंदराबाद, सूरत, चालीसगांव, बैंगलुरू, शिरडी, उदयपुर आदि क्षेत्रों से गुरुभक्तगण युवाचार्यश्री के दर्शनार्थ व वंदनार्थ उपस्थित हुए। राकेश विनायकिया ने सभा का संचालन किया।

आदिनाथ चालीसा एवं भक्तामर का पाठ किया

रिद्धि मंत्रों के साथ दीप प्रज्वलन किए

टोंक. शाबाश इंडिया

परम पूज्य गणिनी आर्यिका स्वस्ति भूषण माताजी के आशीर्वाद एवं प्रेरणा से कनक श्री महिला मंडल एवं आदिनाथ शुभकामना परिवार की ओर से बुधवार को आदिनाथ चालीसा पाठ एवं भक्तामर पाठ का आयोजन किया गया। संयोजक मधु लुहाड़िया ने बताया कि कनक श्री महिला मंडल एवं शुभकामना परिवार की ओर से बुधवार को अष्टमी के शुभ अवसर पर भक्तामर पाठ का आयोजन किया गया अरिहंत भवन में आयोजित कार्यक्रम में सर्वप्रथम आदिनाथ भगवान के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन किया गया एवम मंगलाचरण प्रस्तुत किया गया तत्पश्चात भक्तामर के 48 ऋद्धि मंत्रों द्वारा उच्चारण करते हुए 48 दीप प्रज्वलित किए गए भक्ति भाव के साथ आदिनाथ चालीसा का पठन करते हुए भक्ति नृत्य प्रस्तुत किए स्वस्ति भूषण माता जी के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन कर विनतीया प्रस्तुत की गई । दीपक जला कर भगवान की आरती के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ इस अवसर पर कम्मोरानी चमेली संजू संतोष इंदिरा उषा प्रेमलता मधु रिंकू चंद्रकांता मंजू रेणु बीना आदि मौजूद थी आयोजक संजू सोनी ने सभी को अल्पाहार कराया एवं धन्यवाद दिया। श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन नसिया श्याम बाबा चतुर्भुज तालाब के पास पुरानी टोंक में आसोज कृष्ण नवमी गुरुवार को सायंकाल 6:00 बजे वार्षिक कलशाभिषेक समारोह का आयोजन होगा जिसके अंतर्गत इंद्र बने श्रावको द्वारा क्षीरसागर से जल लाकर भगवान चन्द्रप्रभु की पूजा कर अर्ध्य समर्पित किए जाएंगे तत्पश्चात भक्तिभाव हर्षोल्लास के साथ जयकारों के बीच भगवान के कलशाभिषेक किए जाएंगे उक्त जानकारी नसिया समिति के मंत्री पदम कासलीवाल ने दी।

अन्तर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागरजी महाराज के प्रवचन से...

कुलचाराम, हैदराबाद. शाबाश इंडिया

इंसान उन चीजों से कम बीमार पड़ता है, जो वो खाता है.. बल्कि ज्यादा बीमार वो उन चीजों से हो रहा है, जो उसे अन्दर ही अन्दर खा रही होती है..! अब देश में भ्रष्टाचार और मिलावट इतनी अधिक बढ़ गई है कि अब मरने के लिए शुद्ध जहर नहीं मिलता और जीने के लिए शुद्ध भोजन नहीं मिलता। देश में मिलावट का दौर जोरों पर है। आज मिलावट का जमाना है, बाजार में मिलावट का कार्य जोरों पर है। एक व्यक्ति अपने घर में कीड़े मारने की दवा लाया, दूसरे दिन जब उसने दवा को देखा तो उस दवा में ही कीड़े पड़ गए थे। अब इससे बड़ा भ्रष्टाचार और क्या हो सकता है-? कीड़े मारने की दवा में ही कीड़े पड़ जाए तो फिर और क्या कहना। सब जगह मिलावट है। पहले तो लोग दूध में पानी मिलाते थे, लेकिन अब लगता है कि पानी में दूध मिलाया जा रहा है। हर चीज में मिलावट है, खाने पीने से लेकर औषधियों में भी मिलावट है। इतना ही नहीं विचारों और आदर्शों में भी मिलावट जारी है। आदमी बोलता कुछ है, सोचता कुछ है। दिखाता कुछ है, और देता कुछ और है। बाजार में सब नकली सिक्के चल रहे

हैं। कहते हैं ना - खराब मुद्रा, अच्छी मुद्रा को चलन से बाहर कर देती है...!

-नरेंद्र अजमेरा, पियुष कासलीवाल औरंगाबाद

इनरव्हील क्लब कोटा नॉर्थ का सर्वाइकल कैंसर वैक्सीनेशन केम्प

एच पी वी केन्सर की दूसरी डोज लगाई

आजाद शेरवानी. शाबाश इंडिया

कोटा। इनरव्हील क्लब कोटा नॉर्थ द्वारा बरथुनिया हॉस्पिटल तलवंडी में आयोजित किया गया। क्लब अध्यक्ष सरिता भूटानी और सेक्रेट्री डॉ विजेता गुप्ता ने बताया कि वरिष्ठ स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ निधि बरथुनिया द्वारा वन्दना, शिखा एवं लक्ष्मी नामक तीन बालिकाओं को एच पी वी वेक्सीन की दूसरी डोज लगाई गई यह प्रोजेक्ट सरोज गोयनका एवं दीपिका चौहान द्वारा तैय्यार किया गया। इन बालिकाओं के क्लब की और से जुलाई माह में पहली डोज लगाई गई थी। क्लब अध्यक्ष सरिता भूटानी एवं प्रोजेक्ट डायरेक्टर शशि झंवर ने सभी का आभार व्यक्त किया।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

लायंस क्लब जयपुर द्वारा चाइल्ड कैंसर अवेयरनेस प्रोग्राम का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

लायंस क्लब जयपुर स्पार्कल ने अपने सेवा कार्यों को जारी रखते हुए प्रांत के निर्देशन अनुसार प्रेम निकेतन हॉस्पिटल केयर सेंटर व राजकीय उच्च विद्यालय में चाइल्ड कैंसर अवेयरनेस प्रोग्राम का आयोजन किया जिसमें विद्यालय के अध्यापक एवं स्टाफ व बच्चों में होने वाले कैंसर के लक्षण पहचानने और उनके इलाज के बारे में जागरूक रहने की जानकारी दी गई और प्रांत के निदेर्शानुसार कैंसर के अवेयरनेस के स्लोगन के पोस्टर, द्वारा मार्ग में चलने वालों कोभी अवगत कराया। कार्यक्रम अध्यक्ष सुमित्रा गोलियां व क्लब की जोन चेयरपर्सन ला. महादेवी आर्य जी सभी लायन मेंबर ओर केयर अवेयरनेस सेंटर से डॉ आशा नीलू टांक , डॉक्टर मोनिका , डॉक्टर शिप्रा , स्कूल प्रिंसिपल कमलेश का क्लब द्वारा गिफ्ट से सम्मान किया। सभी बच्चों को फ्रूटी, बिस्कुट व पेन देकर बच्चों का उत्साह बढ़ाया। क्लब मेंबर विजिया कोठारी, रानी पाटनी, राधा मित्तल, नीता गोयल, सुजाता स्वर्णकार, सरोज रुंगटा, मृदुला जैन, संजय लता बज, स्नेहलता जैन आशा जैन, स्कूल स्टाफ व अन्य मेंबर मौजूद रहे।

पारस हेल्थ : 50 वर्षीय मरीज के दुर्लभ किडनी इंफेक्शन का सफल इलाज

उदयपुर. शाबाश इंडिया। पारस हेल्थ उदयपुर चिकित्सकों ने 50 वर्षीय मरीज में दुर्लभ और गंभीर किडनी इंफेक्शन का सफलतापूर्वक इलाज किया। मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल में बुधवार को नेफ्रोलॉजी के सीनियर कंसल्टेंट डॉ. आशुतोष सोनी ने पत्रकारों को बताया कि रामलाल (बदला हुआ नाम) को कम ब्लड प्रेशर, तेज बुखार और सफेद ब्लड सेल काउंट में वृद्धि के लक्षणों के साथ परिजनों ने हॉस्पिटल में भर्ती कराया। गहन जांच के बाद उसे एम्फीसेमेटस पायलोनेफ्राइटिस नामक दुर्लभ बीमारी का पता चला। इसमें बैक्टीरिया किडनी के अंदर हवा की पॉकेट बनाते हैं। डॉ. सोनी ने बताया कि वैसे तो यह स्थिति आमतौर पर मेरा डायबिटीज के मरीजों को होती है। ऐसे में उनकी टीम ने तुरंत रामलाल का लाइफ-सेविंग इलाज किया। इसमें प्लाज्मा एक्सचेंज थैरेपी, खून को साफ करने के लिए एक विशेष प्रकार का डायलिसिस और इंटेंसिव केयर सपोर्ट शामिल था। इधर, रामलाल को सांस लेने में मदद करने के लिए वेंटिलेटर पर भी रखा गया। एक या दो उंगलियों में टिश्यू डैमेज (नेक्रोसिस) सहित गंभीर चुनौतियों के बावजूद काफी सुधार देखने को मिला। जब उनकी हालत सामान्य हो गयी तो उन्हें हॉस्पिटल से छुट्टी दे दी गई। बाद में परिजनों ने पारस हेल्थ के इस प्रयास और स्वास्थ्य सेवा के लिए हॉस्पिटल की प्रतिबद्धता पर संतोष जताया। **रिपोर्ट/फोटो : राकेश शर्मा 'राजदीप'**

छः दिवसीय बुंदेलखंड यात्रा दल रवाना, 19 अतिशय क्षेत्र के दर्शन करेंगे यात्री

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री पार्श्वनाथ यात्रा संघ कल्लावाला वाटिका के तत्वावधान में छः दिवसीय धार्मिक यात्रा सदस्य 19 तीर्थ क्षेत्र के सैकड़ों जैन मंदिरों की दर्शन वन्दना एवं यात्रा सहित भगवान महावीर के सिद्धान्तो एवं अहिंसा शाकाहार का प्रचार- प्रसार करने के उद्देश्य को लेकर आचार्य श्री इंद्रनंदी महाराज के आशीर्वाद से 24 सितम्बर को रात्रि 10 बजे प्रतापनगर कुम्भा मार्ग से बसों के द्वारा यात्रा दल रवाना हुआ। वहीं कमलेश जैन बावड़ी के नेतृत्व में यात्रा मुख्य संयोजक एवं सभी यात्रियों का माला, दुपट्टा एवं मुंह मिठा कराकर जयकारों के साथ यात्रा को रवानगी दी। इस दौरान पिंटू जैन पारली, नरेंद्र जैन, राकेश जैन बावड़ी, त्रिलोक चंद जैन, पारस जैन बिची,अमन जैन कोटखावदा सहित बड़ी संख्या में समाज बंधु उपस्थित रहे। यात्रा संघ के मुख्य संयोजक समर जैन कठमाणा ने बताया की 24 सितम्बर को रात्रि 10 बजे प्रतापनगर कुम्भा मार्ग से बसों द्वारा छः दिवसीय बुंदेलखंड यात्रा दल रवाना हुआ। यात्रा दल चांदखेड़ी, बॅजरग गढ़ , चंदेरी, खण्डारगिरी, गोलाकोट, पॉवागिरी, द्रोणागिरी, नेनगिरी, बीना बाहर, कुण्डलपुर, सोनागिर जी, ग्वालियर होता हुआ 1 अक्टूबर को सुबह वापसी यात्रा दल जयपुर लौटेगा। राजस्थान जैन युवा महासभा ग्रामीण महामंत्री अमन जैन कोटखावदा ने बताया कि यात्रा के दौरान अभिषेक, शांतिधारा, सामूहिक पूजा-अर्चना, साधु संतों के दर्शन लाभ एवं प्रवचन लाभ के साथ भगवान महावीर के सिध्दांतों अहिंसा शाकाहार का प्रचार प्रसार किया जाएगा।

थाली के पास जल डालना तथा थाली के बाहर अन्न का एक निवाला रखने का उद्देश्य क्या है?

हिंदू धर्म में भोजन से संबंधित कई परंपराएँ और अनुष्ठान हैं जो आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और स्वास्थ्य से जुड़े होते हैं। थाली के पास जल डालना तथा थाली के बाहर अन्न का एक निवाला रखने का उद्देश्य देवता, ऋषि, पूर्वज तथा समाज का ऋण चुकाना है। प्रत्येक व्यक्ति को यह ऋण चुकाना होता है। इस प्रक्रिया के अंतर्गत कुछ लोग थाली के पास जल डालते हैं, तो कुछ लोग थाली के बाहर दाहिनी ओर अन्न का एक अथवा पांच निवाला रखते हैं।

थाली के पास जल डालने का उद्देश्य

1. **पवित्रता का प्रतीक:** थाली के पास जल डालने से भोजन के आसपास की जगह को पवित्र माना जाता है। जल को हिंदू धर्म में पवित्रता और शुद्धता का प्रतीक माना जाता है।
2. **देवताओं का आह्वान:** भोजन के पास जल डालने से इसे देवताओं को अर्पित किया जाता है और उनकी कृपा प्राप्त की जाती है। इसे एक तरह से देवताओं को भोजन का आमंत्रण माना जाता है।
3. **स्वास्थ्य संबंधी कारण:** भोजन के पास जल डालने से यह सुनिश्चित किया जाता है कि भोजन का सेवन करने से पहले जल ग्रहण किया जाए, जो पाचन के लिए लाभदायक होता है।

थाली के बाहर अन्न का एक निवाला रखने का उद्देश्य

1. **सर्वभूत हिताय:** हिंदू धर्म में यह मान्यता है कि भोजन ग्रहण करने से पहले इसे सभी जीवों के लिए अर्पित करना चाहिए। थाली के बाहर अन्न का एक निवाला रखने से यह भाव प्रकट होता है कि हम अपने भोजन का एक अंश सभी जीवों के लिए समर्पित कर रहे हैं।
2. **पितृ तर्पण:** यह निवाला पितरों (पूर्वजों) के तर्पण के लिए होता है। यह विश्वास है कि हमारे पूर्वज इस अन्न से तृप्त होते हैं और हमें आशीर्वाद देते हैं।
3. **भूत और प्रेत योनि के लिए:** यह निवाला उन आत्माओं के लिए भी होता है जिन्हें मुक्ति नहीं मिली है। इसे उन्हें शांत करने के लिए अर्पित किया जाता है।
4. **कृतज्ञता का प्रतीक:** यह निवाला प्रकृति, पशु-पक्षी, और समस्त जीवों के प्रति कृतज्ञता प्रकट करने का एक तरीका है। यह हमारे भोजन का एक अंश उनके लिए समर्पित करता है।
5. **अन्न का महत्व:** यह निवाला यह भी सिखाता है कि अन्न का आदर करना चाहिए और इसे व्यर्थ नहीं करना चाहिए। अन्न देवता की पूजा करने का यह एक प्रतीकात्मक तरीका है।

थाली के पास जल डालने और थाली के बाहर अन्न का एक निवाला रखने की परंपरा गहरे धार्मिक, सांस्कृतिक और नैतिक मूल्यों से जुड़ी है। यह हमें अपने पूर्वजों, देवताओं, प्रकृति और सभी जीवों के प्रति सम्मान और कृतज्ञता प्रकट करने की शिक्षा देती है। इन अनुष्ठानों का पालन करने से व्यक्ति न केवल आध्यात्मिक उन्नति की दिशा में आगे बढ़ता है, बल्कि उसे अपने कर्तव्यों और जिम्मेदारियों का भी बोध होता है।

डॉ पीयूष त्रिवेदी
आयुर्वेदाचार्य
चिकित्साधिकारी राजकीय
आयुर्वेद चिकित्सालय राजस्थान
विधानसभा,जयपुर। 9828011871

डा पीयूष त्रिवेदी
आयुर्वेद चिकित्सा प्रभारी
राजस्थान विधान सभा जयपुर

राजकीय विद्यालय चावंडिया के 40 विद्यार्थियों को गणवेश की सेवा

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

अजमेर। आओ गांव चले सेवा करे एवम आवश्यकता अनुरूप सेवा के अंतर्गत विश्व के सबसे बड़े सेवा संगठन लायंस क्लब्स इंटरनेशनल की अजमेर शाखा लायंस क्लब अजमेर आस्था द्वारा समाजसेवी लायन राकेश पालीवाल, पूर्व क्षेत्रीय अध्यक्ष लायन मधु पाटनी एवम अन्य भामाशाहों के सहयोग से तीर्थराज पुष्कर के पास बसा ग्राम चावड़ियां के स्लम एरिया में संचालित राजकीय प्राथमिक विद्यालय नायकों की ढाणी चावंडिया में शिक्षा के साथ संस्कार ग्रहण करने के लिए आने वाले 40 विद्यार्थियों को गणवेश की सेवा प्रदान की गई। क्लब अध्यक्ष लायन रूपेश राठी ने बताया कि कार्यक्रम संयोजक लायन अतुल पाटनी के संयोजन में एवम विद्यालय के प्रधानाध्यापक ओम प्रकाश राड के मुख्य आथित्य में दी गई सेवा पाकर विद्यार्थी बहुत प्रसन्न नजर आए इस अवसर पर गोपाल सिंह राठौड़ हरिकिशन सेन एवं अन्य शिक्षकगण मोजूद रहे। अंत में राष्ट्रीय सेवा संघ की शाखा सेवा भारती के माधव शाखा प्रशिक्षक। छोटू सेन ने सेवा सहयोगियों के प्रति आभार ज्ञापित किया।